भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2881

दिनांक 10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

ईरान को निर्यात

2881. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ईरान में बढ़ते संकट ने भारत से होने वाले निर्यात को प्रभावित किया है, जिसके कारण अमेरिकी प्रशासन द्वारा उसके साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25% टैरिफ लगाने के आसन्न संकट के बीच बासमती, चाय और दवा का निर्यात अटक गया है और साथ ही ईरान को भेजे जाने वाले 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की खेप कांडला और मुद्रा पत्तनों पर अटकी हुई है क्योंकि ईरान में पत्तन संचालन ठप होने के कारण व्यापारियों ने शिपमेंट रोक दी है;

(ख) क्या ईरान भारतीय बासमती चावल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जो सालाना लगभग 12 लाख टन चावल का आयात करता है और जिसका मूल्य 12,000 करोड़ रुपये से अधिक है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25% टैरिफ लगाने की अमेरिकी प्रशासन के आसन्न संकट के इस कदम का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा; और

(ङ) ईरान में राजनीतिक अनिश्चितता के कारण ईरान को होने वाले देश के निर्यात को बचाने के लिए सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) भारत का ईरान के साथ व्यापार मुख्य रूप से अनाज और दवाइयों का है। पश्चिम एशिया में हो रही घटनाओं के कारण शिपिंग और बंदरगाह संचालन में व्यवधान हो रहा है, जिससे कार्गो आवागमन भी प्रभावित हो रही है।

दिनांक 01.03.2026 की स्थिति के अनुसार (ईरान को निर्यात के लिए) बंदरगाह पर विद्यमानकार्गो का विवरण निम्नवत है:

i. कांडला बंदरगाह: चावल, चाय और फार्मास्यूटिकल्स कार्गो जिसका वजन 35,962 मीट्रिक टन है और जिसका अनुमानित फ्री ऑन बोर्ड (एफओबी) मूल्य 305.67 करोड़ रूपये है।

ii. मुंद्रा बंदरगाह: चावल, चाय और फार्मास्यूटिकल्स कार्गो जिसका वजन 5,676 मीट्रिक टन है और जिसका अनुमानित फ्री ऑन बोर्ड (एफओबी) मूल्य 40.72 करोड़ रुपये है।

(ख) एवं (ग) ईरान भारतीय बासमती चावल के प्रमुख खरीदारों में से एक है। भारत और ईरान के बीच बासमती चावल का व्यापार निम्नानुसार है:

ईरान को बासमती चावल का निर्यात

वर्ष	अप्रैल 2024 - जनवरी 2025	अप्रैल 2025 – जनवरी 2026
मूल्य (करोड़ रुपये)	4861.83	5424.24
मात्रा (टन)	6,27,030	7,90,691

स्रोत-डीजीसीआईएस

(घ) एवं (ङ) वर्तमान तिथि तक ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिकी टैरिफ लागू नहीं किया गया है।

*****